

Department of General Surgery & MAS

TIMES EVENTS



Department Of General Surgery & MAS has organized a CME on Role of Energy in General. Advanced Surgical and Gynecologic Procedures- Open as well as Laparoscopic on 6th July at Radisson Blu. Around 140 young, senior and aspirant general surgeons from nearby vicinity and organizations had joined to hear the expert experience of Dr Rana AK Singh (RML Hospital), Dr Chandra Mansukhani(Gangaram Hospital) Dr Atul Goswami & Dr Subhash Aggarwal (Sri Balaji Action Medical Institute).

Pediatric Tuberculosis & Pulmonology Update

Pediatrics respiratory Division -Deptt of Pediatric organised a half day CME on "**Pediatric Tuberculosis and Pulmonology Update**". The CME was steer by Dr Jasmeet K Wadhwa, Dr Lalit Mohan Kaushik, Dr Rohit Goyal with Dr R D Srivastav.No need to say, on this burning topic many stalwarts of the field , among wooping gathering of around 50 pediatrician of neighbourhood had joined the programme, at Radisson Blu, on 28th july 2019. Which was followed by long Open House discussion



Inaugural function of VITROS ECiQ automated analyser for Infectious Markers in Immunology Lab(Microbiology),SBAMI-Towards empowering Clinical Decisions



Department of lab medicine- micro biology has started the cutting edge technology (VITROS ECiQ) diagnosis of infections markers at sbami on 24/7/19. The inauguration of this technology was done by medical director Dr. Anand Bansal with M.s Dr. Sunil Sumbli in presence of all sr. administrative. The Programme was sr. staff and consultants of lab medicine. Jyoti Mutta. Sr. Consultant -Micro Bilology, SBAMI



18 July: CME on "Emerging role of Radiation in Cancer Care by Dr. Manish Pandey Sr. Consultant Radiation Oncologist with Special Production Group SPG at SPG Dispensary, Dwarka.



21 July: CME on "Role of Radiation in Cancer Treatment by Dr. Harpreet Singh and Dr. Manish Pandey Department of Radiation with IMA Janakpuri Branch at IMA Hall Janakpuri.



22 July: Health Awareness talk on the occasion of World Hepatitis Day by Dr. Monika Jain Chief Gastroenterologsist with Divine Happy Sr. Secondary School, Paschim Vihar.



24 July: health awareness talk on the occasion of world hepatitis day by Dr. Monika Jain Chief Gastroenterologsist with G.D. Goenka Public school, paschim vihar.



27 July: CME on "Deep Vein Thrombosis/ Pulmonary Embolism Management by Dr Rakesh Chugh Sr. Consultant CTVS at Hotel Raddison Blu.



27 June: CME on "multiple myloma" by Dr J.B. Sharma at Hotel Raddison Blu.



24 July: CME organized by Sri Balaji Action Medical Institute and Deptt. Of Critical Care on Management Of Fungal Infection in ICU at conference hall-SBAMI





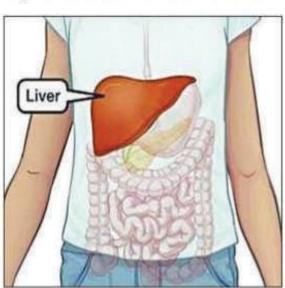
Media Coverages

पेट में दर्द है तो लिवर हेपेटाइटिस की आंशका बीमारी को समझ पाना कठिन, रूटीन हेल्थ चेकअप के दौरान की जा सकती पहचान

इनका ख्याल रखना आवश्यक

- आजकल टैटू का बहुत चलन है, लेकिन अकसर एक ही नीडल से कई व्यक्तियों को टैट बना दिया जाता है, जो संक्रमण का कारण बन सकता है। साथ ही यही बात पियसिंग में प्रयोग की जाने वाली नीडल पर भी लागू होती है। ऐसे में सावधानी बरतें।
- अक्सर हम पार्लर या सैलून में उपयोग किए गए ब्लेड की अनदेखी करते हैं, क्योंकि ये खुन से संक्रमित हो सकते हैं इसलिए अपने पार्लर में ब्लेड आदि फ्रेश इस्तेमाल करने को कहें ।
- ब्लड चढ़वाने के लिए सुरक्षित ब्लड केवल ऑथराइजड ब्लड बैंक से ही लाए। थेलेसेमिया या डायलिसिस वाले मरीजों को ब्लड चढाने के वक्त सावधानी बरतें ।
- गर्भवतियों को भी जांच अवश्य करवानी चाहिए कि कहीं ये वायरस उसके गर्भ में पले शिश को तो नहीं प्रभावित कर रहा। इस अवस्था में मां को तीसरी तिमाही में दवा दे कर शिश का बचाव किया जा सकता है और जन्म के समय शिश को हेपेटाइटिस का टीकाकरण भी लगवाया जा संकता है।

रुपायन प्लस से संबंधित प्रविष्ट इस ई-मेल आईडी पर भेजें- nda-cityreporter @del.amarujala.com या इस नंबर पर व्हाटसऐप करें 9811485181



को मिल सकते हैं। सही उपचार नहीं मिलने की वजह से इस स्थिति में आगे चलकर लिवर कैंसर के होने का खतरा भी बन सकता है। भूख नहीं लगना, वजन का गिर जाना, पेट में पानी बनने की प्रक्रिया का ज्यादा हो जाना जैसे कुछ लक्षण उस अवस्था में दिख सकते हैं। मरीज के अल्फा फिटोप्रोटीन नामक टेस्ट से ये पता लगा सकते हैं कि कही लिवर में कैंसर का पनपना तो नहीं शुरू हुआ है। हेपेटाइटिस ई को जलजनित रोग भी कहते हैं। इसके लक्षण काफी हद तक हेपेटाइटिस ए से मेल खाते हैं। दो तीन दिन बखार का रहना, उलटी होना, पेट में दर्द आदि इसके लक्षण हैं। हेपेटाइटिस ई की समस्या बडे लोगों में ज्यादा देखने को मिलता है।

लिवर शरीर का ऐसा महत्त्वपूर्ण अंग है जो खन में बने जहरीले पदार्थों को बहार निकालता है। लिवर हेपेटाइटिस एक प्रकार का लिवर का संक्रमण है, जो इसे क्षतिग्रस्त करता है और शरीर के बाकी प्रक्रिया को भी बाधित करने लगता है। कई बार यह जानलेवा भी साबित होता है। आजकल की जीवनशैली के हिसाब से इसके बारे में जानकारी होना बहत जरूरी है।

हेपेटाइटिस ए में बुखार, बदन दर्द, उल्टी का आना, पेट में दर्द होने की शिकायत रहती है। यह समस्या बच्चों में अधिक देखने को मिलती है। इसे वैक्सीन से रोका जा सकता है। बी और सी-हेपेटाइटिस में डॉ. मोनिका जैन खतरनाक माना जाता है। क्योंकि यह सबसे शांत संक्रमण है, शुरुआती लक्षणों में पता नहीं

सबसे

जिसका

लगता। जब तक मरीज को

वरिष्ठ सलाहकार गैस्ट्रोएंटरोलॉजी श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट

पीलिया की शिकायत नहीं होती, इस बीमारी को समझ पाना कठिन हो जाता है। इनकी पहचान रूटीन हेल्थ चेकअप के दौरान की जा सकती है। कुछ समय बाद यह समस्या सिरोसिस में तब्दील हो सकती है और उस स्थिति में मरीजों के पैरों में सजन, पेट में पानी आ जाना, बेहोशी की अवस्था में होना जैसे लक्षण देखने

Appearance in Various Newspaper by Dr. Monika Jain, Sr. Consultant, Chief Gastroenterologsist

खूबसूरती ही नहीं, खोया आत्मविश्वास भी लौटाती है प्लास्टिक सर्जरी **नई दिल्ली (भाषा)।** प्लास्टिक सर्जरी की | चेहरा मोहरा ही नहीं बल्कि खोया महत्वपूर्ण विधा के बारे में लोगों । एउशन मेडिकल इस्टिट्यूट में प्लास्टिक | तरह शरीर के किसी अंग के सौंदर्य पर | अलावा किसी दुर्घटनावश चमडी के जलने बात करें तो इसे अमूमन सुदरता बढाने और आत्मविश्वास भी वापस लौटाया जा को सही जानकारी मिले। एड कॉस्मेटिक सर्जरी के सीनियर केन्द्रित होती है। इसमें इन अंगों को मनचाहा अथवा क्षतिग्रस्त होने पर एगस्टिक सर्जरी लोगों में प्लास्टिक चेहरा बदलने का जरिया माना जाता है. सकता है। हमारे देश में प्लास्टिक कंसल्टेंट डॉक्टर शिशिर अग्रवाल आकार देना शामिल है। फास्टिक सर्जरी के जरिए उस हिस्से को ठीक किया जाता जबकि हकीकत में यह किसी दुर्घटना सर्जरी के क्षेत्र में काफी तरक्की को क्रान्तिकारी करार देते हुए डा. अग्रवाल है। ऐसी सर्जरी कई चरणों में की जाती है। अथवा बीमारी के कारण चेहरा बिगड़ने से प्लास्टिक सर्जरी को कुछ मामलों में हई है और आंकडे बताते हैं इसे एक लंबी और दुरूह प्रक्रिया बताते हैं, विश्व प्लास्टिक सर्जरी डे अपना आत्मविश्वास गंवा चुके लोगों के लिए जिसमें सही परिणामों के लिए सर्जन का नायाब तोहफा करार देते हुएँ डाक्टर राय हमारा देश प्लस्टिक सर्जरी किसी करदान से कम नहीं है। यहां यह जान के क्षेत्र में दनिया का सिद्धहस्त होना जरूरी होता है। इसके साथ बताते हैं कि मां बनना अपने आप में ईश्वर प्लास्टिक सर्जरी के क्षेत्र में अमेरिका ब्राजील और लेना और भी महत्वपूर्ण होगा कि प्लास्टिक विश्वसनीय स्थान बनता जा का वरदान है, लेकिन आजकल सामान्य रहा है। डाक्टर राय ने

चीन के बाद भारत चौथे स्थान पर है, भारत में प्लास्टिक सर्जरी का बाजार 30 फीसद की दर से बढ रहा है और यहां प्लास्टिक सर्जरी करवाने वालों में 10 प्रतिशत विदेशी होते हैं

सर्जरी और इसकी कॉस्मेटिक सर्जरी और खास्टिक सर्जरी उपयोगिता के प्रति का फर्क समझाते हुए बताते हैं कि कहने जागरूकता पैदा करने के को कॉस्मेटिक सर्जरी प्लास्टिक सर्जरी का लिए हर साल 15 जुलाई को प्लास्टिक ही एक हिस्सा है, लेकिन इन दोनों में फर्क

ही वह इस प्रक्रिया के दौरान सर्जन और मरीज को तमाम जरूरी सावधानियां बरतने की ताकीद करते हैं। कई बार गंभीर दुर्घटना होने पर चेहरे और चमड़ी को नुकसान पहुंचता है, जिसे ठीक करने के लिए डॉक्टर प्लास्टिक सर्जरी का सहारा लेते हैं और चेहरे की बनावट के अनुसार सर्जरी करते हैं, जिसे फेसिअल रिकसट्रविटव सर्जरी भी कहा जाता है। यह सर्जरी मरीज का आत्मविश्वास वापस लाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाती है। इसके

अर्थवा पूर्नीर्मेर्माण सर्जरी की जाती है।

प्रसव के मुकाबले सीजेरियन प्रसव की संख्या में कॉफी इजाफा हुआ है। सीजेरियन के टाके सदा के लिए शरीर पर दाग छोड जाते हैं। एगस्टिक सर्जरी के जरिए इन दाग से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके अलावा कैंसर अथवा शरीर के किसी हिस्से को विकृत कर देने वाली किसी अन्य बीमारी की स्थिति में और किसी जन्मजात विकृति को दूर करने के लिए रिकंस्ट्रक्टिव

यहा एलस्टिक सर्जरी करवाने वालों में 10 प्रतिशत विदेशी होते हैं। ऐसे में यह सर्जरी डे मनाया जाता है। श्री बालाजी की बात करें तो कॉस्पेटिक सर्जरी पूरी शिकार लोगों को इसके जरिए उनका खोया जरूरी है कि चिकित्सा विज्ञान की इस

बताया कि प्लास्टिक सर्जरी

स्थान पर है। भारत में

फास्टिक सर्जरी का बाजार 30

सर्जरी के मामले में भारत का दुनिया में चौथा स्थान है। जेपी अस्पताल, नोएडा में एस्थेटिक

के क्षेत्र में अमेरिका ब्राजील एड रिकसट्रविटव सर्जरी के एसोसिएट और चीन के बाद भारत चौथे डायरेक्टर डाक्टर आशीष राय ने बताया कि प्लास्टिक सर्जरी को सिर्फ सुन्दरता से जोड़ना ठीक नहीं है। यह शरीर के किसी फीसदी की दर से बढ़ रहा है और अंग को सुधारने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि दुईटनाओं अथवा गंभीर बीमारियों के



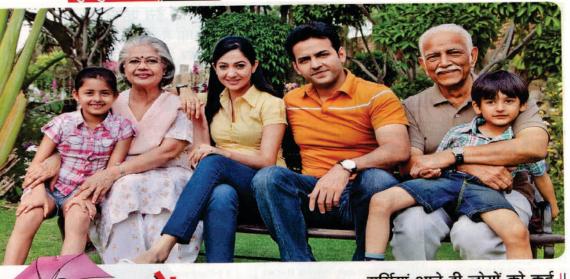
All consultants are requested to kindly update Medical Director about the advanced and complicated surgeries performed so that same can be provided to PR Agency for publicity

Monthly Newspaper - July 2019 - www.actionhospital.com



Appearance in Statesman by Dr. Atul Goswami, Sr. Consultant, Urology

खुशनुमा गर्मियां हेल्थकेयर



गर्मियां आते ही लोगों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं परेशान करने लगती हैं। फिर भी अगर पहले से ही थोड़ी सजगता बरती जाए तो इन्हें आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है।

हीट स्टोक

सक्रिय

यह गर्मियों के मौसम में होने वाली सबसे बड़ी समस्या है, जिसका सामना अकसर अधिकतर लोगों को करना पड़ता है। ख़ास तौर पर फील्ड जॉब करने वाले लोगों और स्कूली बच्चों में तेज धूप के कारण इसकी आशंका अधिक होती है। ऐसी दशा में शरीर का तापमान बढ जाता है। वैसे तो उसे संतुलित करने के लिए शरीर से अपने आप पसीना निकलने लगता है लेकिन कई बार शरीर की इस स्वाभाविक प्रतिक्रिया का कोई असर नहीं होता। ऐसे में व्यक्ति को बुख़ार हो जाता है और पसीना निकलने के बाद भी उसके शरीर का तापमान कम नहीं होता तो ऐसी शारीरिक दशा को हीट स्ट्रोक या लू लगना कहा जाता है। कई बार जब

यह बखार व्यक्ति के ब्रेन तक पहुंच जाता है तो यह स्थिति जानलेवा साबित होती है। कर होती है आशंका : शरीर में पानी की कमी, थायरॉयड ग्लैंड्स से निकलने वाले हॉर्मोन्स में असंतुलन, डायबिटीज के मरीजों

में शुगर लेवल का कम होना, हाई ब्लडप्रेशर, एल्कोहॉल या एंटी डिप्रेजेंट दवाओं का सेवन करने वाले लोगों में भी लू लगने की आशंका बढ़ जाती है। णः नॉजिया और वोमिटिंग, ब्लडप्रेशर प्रमख लब लो होना, तेज बुख़ार बचाव एवं उपचार : जहां तक संभव हो, तेज धूप में

बाहर निकलने से बचें। अगर जाना बहुत जरूरी हो तो बचाव के लिए छतरी, कैप और सनग्लास जैसी चीजें साथ लेकर चलें। जूस, नारियल पानी, कच्चे आम का पना, छाछ और शिकंजी जैसे तरल पदार्थों का अधिक मात्रा में सेवन करें।

रोगों का घर है पहली बारिश का मजा



नयी दिल्ली। मानसून का समय सबसे ज्यादा बीमारियों का मौसम माना जाता है क्योंकि इसी समय कई तरह के इन्फेक्शन, वैक्टीरिया और वायरस एक्टिव हो जाते हैं। बीमारियों वाले इस मौसम में पहली वारिश सबसे ज्यादा जोखिम भरी होती है। श्री वालाजी एक्शन

मेडिकल इंस्टीट्यूट के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. अरकिन्द अग्रवाल ने बताया कि मौसम में नमी आते ही मच्छरों का काटना शुरूहो जाता है। जगह जगह पानी इकठ्ठा होने से मच्छर पैदा होते हैं और फिर तमाम रोग होने लगते हैं। ऐसे में शरीर को भी प्रकृति के तापमान के साथ सामंजस्य विठाने में समय लगता है। मच्छरों के काटने से वुखार, डेंगू, चिकुनगुनिया, मलेरिया भी हो सकते हैं।

धर्मशिला नारायणा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सीनियर कंसलटेंट डॉ. गौरव जैन ने वताया कि मानसून के

समय तापमान में बदलाव और मौराम में नमी की वजह से मच्छरों के अलावा कई तरह के वैक्टीरिया और वायरस जन्म लेते हैं, ऐसे में स्वच्छता नहीं अपनाने पर वैक्टीरिया व वायरस वीमार कर देते हैं।इन्ही में से एक है रोटा वायरस जो कि मुल रूप से डायरिया के लिए जिम्मेदर होता है, दूषित पानी या भोजन खाने से होता है।

जेपी अस्पताल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. विनय लब्रू ने बताया कि डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया तीनों ही बीमारियों की रियति में बचाव के दो ही तरीके हैं- मच्छरों के काटने से क्वना और मच्छरों को पैदा होने से रोकना। ऐसे में अपने आस-पास पानी ठहरान रहने दें, कुलर के पानी को समय-समय पर बदलें, मछरों से वचाव के लिए घरों में स्प्रे का छिड्कावकरें, शरीर को ज्यादा से ज्यादा ढकने वाले कपड़े पहनें।

Appearance in Prayunki Times by Dr. Arvind Aggarwal, Internal Medicine

र मौसम का हमारी सेहत के साथ बहुत करीबी रिश्ता है। अब गर्मियों की शुरुआत हो चुकी है, जहां घर के भीतर, एसी, कूलर और पंखे की ठंडक होती है, वहीं बाहर लू के थपेड़े चल रहे होते हैं। तीखी धूप के कारण त्वचा झुलसने लगती है। हीट स्ट्रोक स्टमक इन्फेक्शन, घमौरियां आदि कई ऐसी समस्याएं हैं, जो लोगों को इसी मौसम में परेशान करती हैं। गर्मियों के को ख़ुशनुमा बनाने के लिए इस मौसम में सभी को अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आइए जानते हैं सखी के साथ, इस मौसम से जुड़ी कुछ ऐसी ही स्वास्थ्य समस्याओं और उनके समाधान के बारे में।

Published & Printed by Ms. Shalu Agarwal on behalf of Sri Balaji Action Medical Institute & Action Cancer Hospital, Corporate Office, A-4, Paschim Vihar, New Delhi-110063